रमणी-रत्न-मालाका ११वाँ रत्न-

स्त्री-शिक्षा-सम्बन्धी सचित्र पौराणिक उपाख्यान।

लेखक

पण्डित पारसनाथ त्रिपाठी।

सम्पादक

पण्डित ईश्वरीप्रसाद शर्मा।

प्रकाशक

रामलाल वर्म्मा, प्रोप्राइटर-

"वर्म्मन प्रेस" और "आर० एल० वर्म्मन एण्ड को०"

३७१, अपर चीतपुर रोड, कलकत्ता।

ज्येष्ठ, सं० १९८१ वि०

प्रथम संस्करण—३००० प्रति ] ❀ [ मूल्य २।, रंगीन जिल्द २।।)

सुनहरी रेशमी जिल्द २।।।) रुपया।